आज का पुरुषार्थ 3 Oct 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *"आज से लक्ष्य रहे .. मन को शक्तिशाली बनाना है .. बुद्धि को दिव्य बनाना है .. क्योंकि परमपिता का ज्ञान स्वच्छ बुद्धि में ही ठहर सकता है "*

संगमयुग पर जो मनुष्य अपने जीवन के **महत्व** को जानता है, जो मनुष्य अपने divine intellect के महत्व को जानता है और अपने मन की शक्तियों को भी पहचानता है वे सर्वोच्च शिखर पर पहुँच जाता है।

तो आइये हम अपने **बुद्धि को सूक्ष्म बनाये**, refine करे, clean करे। मनुष्य को आदत पड़ गई है कलियुग के इस माहौल में बहुत सारी गंदगी अपने बुद्धि में भर लेने की। और वह गंदगी अंततः **योगयुक्त** नहीं होने देती। वही बुद्धि में समाई हुई गंदगी व्यर्थ संकल्पों का कारण बनती है।

जैसे स्वच्छ भारत का अभियान प्रधानमंत्री ने चलाया है, अब clean the intellect यह अभियान हम सभी **ब्राह्मणों** को चलाना है। क्लीन इयोर माइण्ड एन्ड क्लीन इयोर इन्टलेक्ट। इससे हम संसार में बहुत बड़े बड़े कार्य कर सकेंगे।

मन को क्लीन करेंगे अर्थात अपने attitude को positive करेंगे। मन को व्यर्थ संकल्पों से मुक्त करेंगे। तो मन बहुत शक्तिशाली बन जायेगा।

बुद्धि, जो हमारा यार्ड आई है। थर्ड आई आफ विजडम। इस आई से हम भगवान को देखें, अपने सभी **स्वरूपों** को देखें। इसके लिए इन **आंखो को clean करना** परम आवश्यक है।

इसमें हम **सदविवेक** भरते है। अगर हमारे मन में गंदगी होगी तो divine wisdom, सदविवेक हमारी बुद्धि में ठहरेगा ही नहीं।

बुद्धि में यदि हम **वरदान धारण करना चाहते है**, अपनी बुद्धि में यदि हम भगवान को बिठाना चाहते है तो हमें इस बुद्धि को स्वच्छ पात्र बनाना पड़ेगा। गंदगी में भला भगवान कैसे बैठेंगे?

तो चेक कर ले हमने अपनी बुद्धि में किसी के लिए वैर भाव तो नहीं रख लिया है? अपने बुद्धि में किसी के **अवगुण** तो धारण नहीं कर लिए है?

हमारी बुद्धि में impurity तो नहीं आ गई है? हमारी बुद्धि **दैहिक आकर्षणों** में तो नहीं भटकने लगी है?

सचमुच बुद्धि एक बहुत सुन्दर **godly gift है** हम सभी के लिए। और भगवान तो उसमें डिवाइन विजडम दे दी है, जिससे हम बहुत बड़े बड़े कार्य कर सकते है। जन्म जन्म यह श्रेष्ठ बुद्धि हमारे साथ चलेगी।

बुद्धि धारणा शक्ति है। इस बुद्धि को हम बिल्कुल क्लीन करके divine बनायेंगे। तो आज हम अपनी बुद्धि में ..

.. अपने परमपिता को बिठायेंगे और बु**द्धि के तीसरे नेत्र से परमधाम को देखेंगे, सूक्ष्म लोक को देखेंगे, golden age को देखेंगे।** और अनुभव करेंगे उन उन स्थानों का और लक्ष्य रखेंगे कि ..

.. हमें अपनी बुद्धि को डिवाइन बना देना है। चमत्कारिक बुद्धि बना देना है। जो चारों युगों को यहाँ बैठे ही देख सके।

तो आज practise करेंगे →

" आत्मा को देखेंगे दस second .. फिर दस second बाबा को परमधाम में देखेंगे... फिर दस सेकण्ड आत्मा को देखेंगे .. फिर दस सेकण्ड परमधाम में बाबा को देखेंगे "

... यह ड्रिल करेंगे और फिर दस दस सेकण्ड **सूक्ष्म लोक** में बापदादा के साथ मुलाकात करेंगे।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org